

प्राविकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

65/5/72

**#•** 11]

No. II]

नई बिल्ली, शामिबार, मार्च 11, 1972/फाल्गुन 21, 1893 NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 11, 1972/PHALGUNA 21, 1893

इस माग में भिन्न पृष्ठ संचया दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के इत्य में रखा जा सके। Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग ∐--ज़•इ 4

# PART II-Section 4

रका मंत्रालय द्वारा जारी किए गये विधिक नियम और ब्रावेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### (Navy Branch)

New Delhi, the 4th January 1972

**S.R.O.** 69.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations, 1964, namely:—

- 1. These regulations may be called the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous (Amendment) Regulations, 1972.
- 2. In the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations. 1964, in regulation 149, for sub-regulation (7), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—
  - "(7) Joining time, as provided in sub-regulation
    (1) may be allowed to an individual at the time of proceeding to another station to attend a course of instruction of more than three months if he does not retain Service accommodation at the last duty station for the duration of the course. It may also be allowed to an individual who while on temporary duty or on a course of instruction at another station irrespective of its duration, is posted on permanent duty to a new station and is required to proceed direct from the station of temporary duty or course of instruction. In such a case, the joining time will be reckonable from the station of temporary duty or course of instruction.

[Case No. AD/3005/69/PC/8199/71/D(N.II).]

L. DAYAL, Jt. Secy. (N).

रक्षा भंत्रालय

(नौसेना ज्ञाखा)

नई दिल्ली, 4 जनवरी 1972

का० नि० मा० 69. — नौसेना मधिनियम, 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्यारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कैन्द्रीय सरकार नौसेना भौपचारिकता, सेवा की शर्ते भौर प्रकीर्ण विनियम, 1964 में भौर संशोधन करने के लिए एतद्द्यारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

- इस विनियमों का नाम नौसेना भौपचारिकता, सेवा की शर्त और प्रकीर्ण (संशोधन ) विनियम, 1972 होगा ।
- 2. नोसेना श्रोपचारिकता, सेवा की शर्ते भीर प्रकीण विनियम, 1964 में, विनियम 149 में, उप-विनियम (7) के रथान पर निम्निलिखत उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात:---
  - "(7) किसी व्यक्ति को, उप-विनियम (1) में यथा
    उपविश्वत कार्यभार ग्रहण करने का समय, तीन मास
    से भ्रधिक के शिक्षणक्रम में उपस्थित होने के लिए
    दूसरे स्टेशन को जाते समय, उस दशा में भ्रनुज्ञात
    किया जा सकेगा यदि वह पाट्यक्रम की ग्रविध में
    पिछले ड्यूटी स्टेशन में सेवा श्रावास नहीं रखता।
    यह किसी ऐसे व्यक्ति को भी भ्रनुज्ञात किया जा सकेगा

जो, दूसरे स्टेशन में प्रस्थायी ड्यूटी या शिक्षणकम, चाहे उसकी प्रविध कितनी ही हो, के समय, किसी नये स्टेशन में स्थायी ड्यूटी पर नियुक्त किया गरा है और जिससे अस्थायी ड्यूटी या शिक्षणकम के स्टेशन से सीधे जाने के लिये प्रपेक्षा की गई है। ऐसे मामले में कार्यभार प्रहण करने के समय की गणना अस्थायी ड्यूटी या शिक्षणकम के स्टेशन से की जाएगी।

[मिसल यं ० ए इ /3005/69/विस्ति/8199/71/उ (एत०  $\mathbf{H}$ )] एल० दयाल, संयुक्त सचिव ।

### New Delhi, the 22nd February 1972

- S.R.O. 70.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 12 of the National Cadet Corps Act 1948 (31 of 1948), read with sub-rule (2) of rule 42 of the National Cadet Corps Rules, 1948, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 1 dated the 1st January 1966, the Central Government hereby appoints a State Advisory Committee of the National Cadet Corps for the State of Rajasthan consisting of the following persons, namely:—
  - 1. The Minister of Education, Government of Rajasthan (Chairman).
  - The Secretary to the Government of Rajasthan, Education Department.
  - 3. The Vice-Chancellor, Rajasthan University, Jaipur.
  - 4. The Vice-Chancellor, Jodhpur University, Jodhpur,
  - 5. The Vice-Chancellor, Udaipur University, Udaipur.
  - 6. The Director of College Education, Rajasthan, Jaipur.
  - 7. The Director, Primary and Secondary Education, Rajasthan, Bikaner.
  - The Assistant Adjutant and Quarter Master General, Headquarters 61 (Independent) Communication Zone Sub-Area.
  - Shri P. N. Mathur, Principal, Government College, Ajmer.
  - Shrtmati Rama Kochar, Principal, Women's College, Ganganagar.
  - Shri P. S. Kumar, Principal, Sadul Public School. Bikaner.
  - The Headmaster, Vidhya Bhavan. M.P.H S School, Udaipur.
  - 13. The Director, National Cadet Corps, Rajasthan, Jaipur.
  - Shri Chuttan Lal, M.P. (Lok Sabha), Roopbos, Alwar (Member of the Central Advisory Committee for the NCC).
  - Shrimati Mangala Talwar, M.P. Opposite S.M.S. Hospital, Jaipur.
  - Shri Gulab Singh Shaktawat, M.L.A. Post Office Bhindar, Distt. Udaipur.
  - General (Retd.) Jaidev Singh, Kuherdau-Ka-Dera, Mahatma Gandhi Road, Bikaner.
  - 18. The Debuty Secretary to the Government of Rajasthan, Finance Department (Expenditure-I), Jaipur.
  - Shri M. R. Mukul, Deputy Secretary to the Government of Rajasthan, Education (Cell-IV) Department, Jaipur (Secretary).

# नईविल्ली, 22फरवरी, 1972

का० नि० म्रा० 70. — तेशनल केडेट कोर नियम, 1948 के नियम 42 के उप-नियम (2) के साथ पठित नेशनल केडेट कोर म्रिधिनियम, 1948 (1948 का 31) की धारा 12 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए भौर भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की म्रिधिम्चना सं० का० नि० भ्रा० 1, तारीख 1 जनवरी, 1966 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निम्निखित व्यक्तियों को मिम्मिलत करते हुए, राजस्थान राज्य के लिए मेशनल केडेट कोर की राज्य सलाहकार समिति एतद्द्वारा नियुक्त करती है, भ्रथांत:—

- 1. शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार (प्रध्यक्ष)
- 2. सिचव, राजस्थान सरकार, शिक्षा विभाग
- 3. कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यास्य, जयपुर
- 4. कुलपति, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर
- 5. कूलपति,उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर
- महाविद्यालय णिक्षा के निदेशक. राजस्थान, जयपुर
- प्रारम्भिक श्रौर माध्यमिक शिक्षा के निदेशक, राजस्थान, बिकानेर
- 8. भ्रसिस्टेन्ट एडजुर्टेट श्रौर क्वाटर मास्टर जनरल, मुख्यालय 61 (इंडिपेन्डेण्ट),संचारजोन सबएरिया
- श्री पी० एन० मायुर, प्रधानाचार्य, सरकारी महा-विद्यालय, श्रजमेर
- 10. श्रीमति रसा कोचर, प्रधानाचार्य, महिला महा-विद्यालय, गंगानगरं।
- श्री पी० एस० कुमार, प्रधानाचार्य, सादुल पब्लिक स्कूल, बिकानेर।
- हेडमास्टर, विद्या भवन, एम० पी० एच० एम० स्कूल, उदयपुर
- 13. निदेशक, नेशनल केंडेंट कोर, राजस्थान, जयपुर
- 14. श्री छुट्टन लाल, संसद सदस्य (लोक सभा), रूपक्षास, ग्रलवर (नेशनल केंग्डट कोर के लिए केन्द्रीय सलाहकार समिति का सदस्य)
- 15. श्रीमति मंगला तलवार, संसद सदस्य, एस० एम०एस० श्रस्पताल के सामने, जयपुर
- श्री गुलाब सिंह शक्तावन्, विधान सभा गवस्य, डाकघर भिण्डर, जिला जदयपुर
- 17. जनरस (सेवा निवृत्त) जयदेव सिंह, कुबेरदान-का डेरा, महात्मा गांधी रोड, बिकानेर
- 18. उप-सिचव, राजस्थान सरकार, विश्त विभाग (व्यय-1) जयपुर
- 19. श्रीएम० श्रार० मुकुल, उप-सिवत, राजस्थान सरकार, शिक्षा (सेल-IV) विभाग, जयपुर (सिवन)।

New Delhi, the 24th February 1972

- S.R.O. 71. In exercise of the powers conterred by section 13 of the National Cadet Corps Act, 1948 (31 of 1948), the Central Government hereby makes the tollowing rules further to amend the National Cadet Corps (Girls Division) Rules, 1949, namely:—
- 1. (1) These Rules may be called the National Cadet Corps (Girls Division) Amendment Rules, 1972.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the National Cadet Corps (Girls Division) Rules, 1949, in Schedule I, in Form I,—
  - (a) under the heading "Declaration on Acceptance for Enrolment", after the existing two paragraphs, the following paragraphs shall be inserted, namely:—
    - "I......further promise that after enrolment I will have no claim on authorities for any compensation in the event of any injury or death due to accident during training camps/courses and travelling.
    - I understand I have no service liability.";
  - (b) under the heading "For Minors only", for the existing paragraphs, the following paragraphs shall be substituted, namely:—
    - "I solemnly declare that the answers given in this form are true and no part of them is talse and that my daughter/ward\* is willing to rulfil the engagement made.

I..... promise that after the enrolment or my daughter/ward\* I will have no claim on authorities for any compensation in the event of an injury or death due to accident during training camps/courses and travelling.

I understand that my daughter/ward  $^{\diamond}$  has no service liability.

Signature of the father/guardian\*

Certified that the applicant and her father/guardian\* understand and agree to the conditions of enrolment.

Signature of the enrolling officer
Date of enrolment .......

\*Delete clause or word inapplicable".

P. S. RATNAM, Under Secy.

### नईदिल्ली, 24फरवरी, 1972

का० ति० ध्रां 71. — नेणनल केडेट कोर श्रिधिनयम 1948 (1948 का 31)को घारा 13 द्वारा प्रदत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मरकार, नेणनल केडेट कोर (बालिका डिवीजन) नियम, 1949 में श्रीर श्रागे संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्यारा बनाती है, श्र्यांत:—

- 1. (1) इन नियमों का नाम रेशनल केडेंट कोर (बालिका डिबीजन) संशोधन नियम, 1972 होगा।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृस्त होगें।

- श्रेणनल केडेट कोर (बालिका डिवीजन ) नियम, 1949 में, अनुमुवी 1 में प्ररूप 1 में ---
  - (क) "भ्रभ्यावेशन के लिए स्वीकृति पर घोषणा" शीर्ष केनीचे विद्यमान दोपेरों के पश्चात निम्नलिखित पेरे भ्रन्तःस्थापित किए जाएंगे म्रर्थात :—

  - (ख) "केवल अवयस्कों के लिए" शीर्ष के नीचे विद्यमान पैरों के स्थान पर निम्नलिखित पैरे प्रतिस्थापित किए जाएंगे अर्थात्:---
  - "मैं सत्यनिष्ठा से घोत्रणा करता हूं कि इस प्ररूप में दिए गए उत्तर सही हैं और उनका कोई भी भाग मिथ्या नहीं है और कि मेरी पुत्री/प्रतिपाल्य\* किए गए वचन बन्ध को पूरा करने के लिए रजामन्द है।
    - में.....वाषन देता हूं कि भेरी पुत्नी/प्रतिपाल्य\*
      के अध्यावेशन के पश्चात् प्रशिक्षण कैपों,
      पाठ्यक्रमों और यात्रा के दौरान दुर्घटना के कारण
      किसी क्षति या मृत्यु की दशा मेप्राधिकारियो पर
      किसी प्रतिकर के लिए मेरा कोई दावा नहीं होगा।
      म समझता हू कि भेरी पुत्री/प्रतिपाल्य\* का कोई
      सेवा-दायित्व नहीं है।

पिता प्रौर संरक्षक \* के हस्ताक्षर

प्रमाणित किया जाता है कि भ्रावेदक भीर उसके पिता/संरक्षक\* ग्रभ्यावेशन की भर्तों को समझ रे है भीर उनसे सहमत है।

> श्रभ्यावेशन श्रधिकारी के हस्ताक्षर श्रभ्यावेशनकीतारीख ———

\*जो खण्ड या शब्द लागू नहीं है, उसे काट दें।

पी० एस० रत्नम, प्रवर सचिव ।

#### [Department of Defence Production (D.G.I.)]

New Delhi, the 25th February 1972

- S.R.O. 72.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the non-gazetted non-ministerial class III posts of Telex Operator in the Department of Defence Production (Directorate General of Inspection), namely:—
- 1. (1) Short title and commencement.—These rules may be called the Directorate General of Inspection (Telex Operator) Recruitment Rules, 1972.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- 2. Application.—These rules shall apply to the non-gazetted non-ministerial Class III post of Telex Operator in the Department of Defence Production (Directorate General of Inspection) as specified in column 2 of the Schedule annexed hereto.
- 3. Classification and scale of pay.—The classification of the said post and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 3 and 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age-limit specified for direct recruitment may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued, from time to time, by the Central Government.

- 5. Disqualifications.—No person,—
  - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
  - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the above posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class of persons.

# Recuruitment Rules For Telex Operator

THE SCHEDULE								
SI. No.	Name of post	Classifica- tion	Scale of pay	Whether selection post or Non- selection post	Age limit for direct recruit	Educational and required for dir	d other qualifications ect recruits.	
I	2	3	4	5	6		7	
Ι,	T lex Operator	Defence Services   Civilians; Class III, Non- Gazetted, Non- Ministerial.	Rs. 110-3-131-4-155- EB-4-175-5-180 plus a special pay of Rs. 150- p.m.	Not applicable.	Between 18-30 years.	cation.  2. Should be a Machine.  3. Should have a	or equivalent qualifi- ble to operate Telex a minimum speed of minute in typing.	
cation presc recru	ther age and edu- nal qualifications ribed for directs its will apply in ase of promotees	Period of prob if any.	or by promo or by tra and perce	r by ment be nent transfer, g tion which pr nsfer be made ntage ncies by	grades from omotion to	If a DPC exists, what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be Consulted in making recruitment.	
,	8	9	IO		11	I2	13	
Not a	pplicable.	Two years	By direct recruit	tment Not ap	plicable.	Not applicable.	Not applicable.	

[No. A/89897/TD-49/D-(Prod).]
V. K. JAGDHARI, Under Secy.

[रक्षा उत्पादन विभाग (डी०जी०माई०)]

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1972

का० नि० ग्रा० 72—राष्ट्रपति, संविधान के ग्रनुच्छेंद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा उत्पादन विभाग (निरीक्षण महानिदेशालय) में टेलेक्स ग्रापरेटर के

ग्रराजपत्नित, ग्रननुसचिवीय वर्ग-3 पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्निखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, ग्रथीत्—

 संक्षिप्त नाम भीर प्रारंग:---(1) इन नियमों का नाम निरिक्षण महानिदेशालय (टैलेक्स घापरेटर) भर्ती नियम, 1971 होगा।

- (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत होंगे।
- 2. लागू होना:—ये नियम इससे उपावद्ध मनुसूची के स्तम्भ 2 में यथाविनिदिष्ट रक्षा उत्पादन विभाग (निरीक्षण महानिदेशालय) में, टैलेक्स मापरेटर के मराजपितत, मननुसिबीय वर्ग-3 पद को लागू होंगे।
- वर्गीकरण भीर वेतनमान :---- उक्त पद का वर्गीकरण भीर उसके वेतनमान वे होंगे जो उक्त भनुसूची के सतम्भ 3 से 4 सक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. भर्ती का पद्धति, प्रायु-पीमा घीर प्रश्य प्रहेताएं :— उक्त पद पर मर्ती की पद्धति ग्रायु-सीमा, ग्रहेताएं घौर उससे सम्बन्धित ग्रन्य बार्ते वे होंगी जो पूर्वोक्त प्रनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिदिष्ट हैं :

परन्तु सीघे मर्जी किए जाने वाले व्यक्तियों की बायत विनि-दिंघ्ट मधिकतम मायु-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए भादेशों के भनुसार, अनुसूचित जाति, भनुसूचित जनजाति भीर भन्य विशेष व्यक्ति प्रवर्ग के मभ्यांषयों के संबंध में शिक्ति की जा सकेगी।

# निरहंताएं—वह व्यक्तिः

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसको पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने भ्रपने पति या भ्रपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उपरोक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पान नहीं होगा :

परम्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय हैं और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवंतन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति:—अहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना प्रावश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग के व्यक्तियों की बावत, प्रादेश द्धारा, शिथिल कर सकेगी!

अनुसूची देलेक्स ग्रापरेटर के लिए मर्ती नियम

कम सं०	पद का नाम	<b>यगीकरण</b>	वेतनमान	चयन पद भ्रषका भ्रषयन पद		र्गि किए जाने वाले व्यक्ति लिए <b>ग्रायु-</b> सीमा
1	2	3	4	5		6
1	दैशेषस धापरेटर	्रका सेवाझों में सिवि लियन, वर्गे—3,श्वराज् पत्नित, धनमुसम्बिवीय	<b>ग-</b> 155—व०रो०—4—	न्नागु महीं होता	18-30	वर्षं के बीच
	र्ती किए जाने वाले व्य भौर भन्य भईतायें		सीधे मर्ती किए जाने वाले व्यक्ति विहित मायु भौर शैक्षिक म की दशा में लागू होंगी या नहीं	हिंवायें प्रोन्नतों	परिनीक्षाकी	धवधि, गदि हो
			विहित मायु भौर शैक्षिक म	हिंवायें प्रोन्नतों	परिवीक्षाकी	धवधि, गदि हो 9

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	भर्तीकी दशामें वेश्रेणियां	यिव विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श किया जाएगा
10	11	12	13
सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
<del></del>			<del></del>

[सं० ए/89897/टो॰ डी॰-49(प्रोड)] बी॰ के॰ जगधरी, भ्रवर सचिव।

#### (Military Lands and Cantonments)

New Delhi, the 28th February 1972

**S.R.O.** 73.—The following draft of rules further to amend the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Rules, 1951, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (cc) of sub-section (2) of section 280 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), is hereby published, as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 11th April, 1972.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date aforesaid will be considered by the Central

Government.

#### Drafts Rules

- 1. (1) These rules may be called the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Amendment Rules, 1972.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Rules, 1951, in rule 5.—
  - (i) in sub-rule (c), for the enry in column 1 of the Table, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "1. Office Superintendent.
  - 2. Technical Assistant."
  - (ii) in sub-rule (d), for the entry in column 1 of the Table, the following entry shall be substituted, namely:—

#### Category

#### (I)

- "Cantonment Fund Employees who are in receipt of a pay which is not less than Rs. 210 per mensem. Cantonment Fund Employees will be subject to an age limit of 45 years provided that for the first two examinations to be held after the coming into force of the Military Lands and Cantonments Service (Class I and Class II) Amendment Rules, 1972, the age limit will be 52 years."
- (iii) for sub-rules (e) and (f), the following sub-rules shall be substituted, namely:—
- (e) (1) Every person who belongs to the Class III Staff of the Military Lands and Cantonments Service or who is an employee of a Cantonment Board and fulfils the conditions prescribed in Sub-rules (c) and

- (d), as the case may be, shall pass a common qualifying test corresponding to the Departmental Examination prescribed under rule 8, before he can be considered:
  - (i) in the case of Class III Staff of the Military Lands and Cantonments Service, by a duly consituted Departmental Promotion Committee for promotion to Class II cadre of the Service; and
  - (ii) in the case of employees of any Cantonment Board, by the Commission for appointment to Class II cadre of the Service by selection on the basis of records and interview.
- (2) No person shall be permitted to appear for the common qualifying test under this sub-rule more than twice.
- (3) In the case of a person who is an employee of any Cantonment Board and who has passed the common qualifying test in the first attempt but does not get selected thereafter shall have to appear once again for the test.
- (f) Every person promoted or appointed to the Class II cadre of the Service shall hold the post in the said cadre only in a temporary capacity and shall be eligible for confirmation therein only after satisfactory completion of a probationary period of two years from the date of his promotion or appointment, as the case may be, to such cadre on the occurrence of substantive vacancies in the quotas for the respective categories to which they belong. They shall not be required to pass again the Departmental Examination prescribed in rule 8.

G. R. GURUSWAMY, Dy. Secy.

# संनिक भूमि भीर छावनी

## नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1972

का० नि० ग्रा० 73.— सैनिक भूमि श्रीर छावनी सेवा (वर्ग 1 ग्रीर वर्ग 2) नियम, 1951 में श्रीर संशोधन करने के लिए नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, छावनी श्रिधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 280 की उपधारा (2) के खें छ (गग) के साथ पठित, उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, बनाने की प्रस्थापना करती है, सभी ऐसे व्यक्तियों की, जिनका इसके द्वारा प्रभावित होना संभ्भाव्य है, जानकारी के लिए, उक्त धारा की उपधारा (1) की ग्रिपेक्षान्तुसार प्रकाणित किया जाता है श्रीर एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर, तारीख 11 श्रप्रैल, 1972 को या उसके पश्चात विचार किया जाएगा।

ऐसे भ्राक्षेपों या मुझाबों पर, जो उक्त प्रारूप के संबंध में किसी व्यक्ति से पूर्वोक्त तारीख से पूर्व प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार दवारा विचार किया जाएगा।

### प्रारूप नियम

- (1) इन नियमों का नाम सैनिक भूमि श्रौर छावनी सेवा (वर्ग 1 श्रौर वर्ग 2) संशोधन नियम, 1972 होगा।
  - (2) ये राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. सैनिक भूमि श्रौर छाधनी सेवा (वर्ग 1 श्रौर वर्ग 2) नियम, 1951 में, नियम 5 में,——
  - (i) उपनियम (ग) में, सारणी के स्तम्भ 1 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि प्रति-स्थापित की जाएगी, ग्रर्थात :--

"1 कार्यालय श्रधीक्षक

## 2 तकनीकी सहायक।"

(ii) उपनियम (घ) में, सारणी के स्तम्भ 1 में की प्रविष्टि के स्थान पर , निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, प्रश्रीत :---

#### प्रवर्ग

(1)

"ऐसे छावनी -निधि-कर्मचारी जो 210 रु० प्रतिमास से अन्यून बेतन प्राप्त कर रहे हैं। छावनी-निधि-कर्मचारी 45 वर्ष की ग्रायु सीमा के ग्रधीन होंगे परन्तु सैनिक भूमि ग्रौर छावकी सेवा (वर्ग 1 ग्रौर वर्ग 2) संशोधन नियम, 1972 के प्रवृत्त होनें के पश्चात् होने वाली प्रथम दो परीक्षाओं के लिए ग्रायुमीमा 52 वर्ष होगी।"

- (iii) उपनियम (ङ) श्रौर (च) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किए जायेंगे, श्रथीत् :---
- (ङ) (1) प्रत्येक ऐंनें व्यक्ति को, जो सैनिक भूमि और छावनी सेवा का वर्ग 3 कर्मचारिवृत्द है या जो छावनी बोर्ड का कोई कर्मचारी है और जो, यथास्थिति उपनियम, (ग) और (घ) में विहित णतें पूरी करता है, नियम 8 के प्रधीन विहित विभागीय परीक्षा के समान सामान्य अर्हक परीक्षण इस से पूर्व पास करना होगा कि उसके बारे में——
- (i) सैनिक भूमि श्रौर छावनी सेवा के वर्ग 3 कर्मचारि-वृन्द की दशा में, सेवा के वर्ग 2 काडर में प्रोन्नति के लिए सम्यक रूप से गठित विभागीय प्रोन्नित समिति द्वारा; श्रौर
- (ii) किसी छावनी बोई के कर्मचारियों की दशा में, अभि-लेखों और साक्षात्कार के आधार पर चयन द्वारा सेवा के वर्ग 2 काडर में नियुक्ति के लिए श्रायोग द्वारा, विचार किया जाए।
- (2) किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रहंक परीक्षण में, इस उपनियम के श्रधीन दो से श्रधिक बार बैठने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।
- (3) किसी ऐसे व्यक्ति को, जो किसी छावनी बोर्ड का कर्म-चारी है और जिसने पहली बार में ही सामान्य भ्रह्क परीक्षण पास कर लिया है किन्तु उसके पण्चात् उसका चयन नहीं हुन्ना है, फिर एक बार परीक्षण में बैठना होगा।
- (च) सेवा के वर्ग 2 काडर में प्रोन्नत या नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति उक्त काडर में केवल अस्थायी हैसियत में पद धारण करेगा धौर वे उस काडर में अपनी, यथास्थिति, प्रोन्नति या नियुक्ति की नारी असे दो वर्ष की परिवीक्षा की अविध के संतोषप्रद रूप में पूरा हो जाने के पण्चात् ही, अपने अपने प्रवर्गों के लिए जिनमें वे स्राते हैं, कोटा में श्रिधिष्टायी, रिक्तियों के होने पर उसमें पुष्टिकरण के लिए पाह होंगे। उनसे यह अपेक्षा नहीं की जाएगी कि वे नियम 8 में विहित विभागीय परीक्षा फिर से प्राप्त करें।

एस० भ्रार० गृहस्वामी उप सचिव,